हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

नमूना प्रष्न –पत्र 2026–27

कक्षा : बारहवीं विषय : हिन्दी (आधार) कोड : 502

निर्धारित समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देष –

1 इस प्रष्नपत्र में दो खण्ड हैं– **खण्ड** (अ) और **खण्ड** (ब)।

2 **खंड** (अ) में बहुविकल्पीय और **खंड** (ब) में वर्णनात्मक प्रष्न हैं।

3 **खण्ड** अ में कुल 6 प्रष्नों के 30 बहुविकल्पीय प्रष्न पूछे गए हैं।

3 **खंड** ब में कुल 9 प्रष्न हैं। निर्देषानुसार विकल्पों का ध्यान रखते हुए सभी प्रष्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

4 प्रष्नपत्र के दोंनों खंडों में प्रष्नों की कुल संख्या 15 है और सभी प्रष्न अनिवार्य हैं।

5 प्रष्नों का उत्तर लिखते समय प्रष्न क्रम संख्या अवष्य लिखें।

6 सभी प्रष्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें।

7 प्रष्नों के निर्धारित अंको के अनुसार उचित षब्दों में उत्तर देना सुनिष्चित करें।

8 षुद्ध , सार्थक एवं तर्कसंगत उत्तरों का उचित अधिमान दिया जाएगा।

खण्ड– (अ)

बहुविकल्पीय प्रष्न

प्रष्न 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांष को पढ़कर इस पर आधारित प्रष्नों के उत्तर दीजिए।   5 x 1= 5

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है। जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं– हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म होने वाले व्यकित का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आद् के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है– देश को प्राथमिकता, भले ही हमें ' स्व ' को मिटाना पड़े। महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचंद्र बोस आदि के कायों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ–रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं।

जब–जब भारत में फूट पड़ी, तब–तब विदेशियों ने शासन किया। चाहे जातिगत भेद्भाव हो या भाषागत– तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा। आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे हैं। कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है तो कही धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है जिसका परिणाम हमारे सामने है। आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है। फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का अभाव परिलक्षित हो रहा है।

प्रष्न :

(क) आदमी किसमें सिमटता जा रहा है?   1

(i) गौरव में   (ii) स्वार्थ में

(iii) अहं में   (iv) पर काज में

(ख) **देष** की प्रगति कब होती है ?   1

(i) जब व्यक्ति अपने अह को त्याग कर देश के विकास के लिए कार्य करता है।

(ii) जब व्यक्ति अपने लालचवश अपने विकास के लिए कार्य करता है।

(iii) जब व्यकित अपने परिवार को त्याग कर देश के विकास के लिए कार्य करता है।

(iv) जब व्यक्ति अपने गौरव को त्याग कर देश के विकास के लिए कार्य करता है।

(ग) स्व को मिटाना क्यों आवश्यक है?

(i) स्व से व्यक्ति की दृष्टि संकुचित होती है।

(ii) स्व रखने वाला राष्ट्र विकास नहीं कर सकता।

(iii) 'स्व' को मिटाना देश की प्रगति में सहायक है।

(iv) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं।

(घ) "राष्ट्र केवल जमीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत भी है।" का अर्थ निम्न विकल्पों में से सही विकल्प छांटिए –

1 राष्ट्र के लिए विकास के लिए काम करने की भावना भी राष्ट्रीयता कहलाती है।

2 वह व्यक्तियों से बसा संस्कृति तथा विचार–क्षेत्र है।

3 राष्ट केवल ज़मीन का टुकड़ा ही है।

4 जीवनमूल्य स्थापित करने का स्थल है।

उपरोक्त विकल्पों में से सही विकल्प छांटिए –

(i) केवल 1 व 3 सही है।

(ii) केवल 1 , 2 व 3 सही है।

(iii) केवल 1 , 3 व 4 सही है।

(iv) केवल 1 , 2 व 4 सही है।

(ङ) लेखक का राष्टीयता से क्या आशय है? 1

(i) केवल राष्ट के लिए जीना और काम करना।

(ii) राष्ट की स्वतंत्रता व विकास के लिए काम करने की भावना न होना।

(ii) राष्ट में रहकर मात्र स्वयं के लिए अच्छी प्रगति करना।

(iv) राष्ट्र की प्रगतिवादी नीतियों की आलोचना करना।

प्रष्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांष को पढ़कर इस पर आधारित प्रष्नों के

उत्तर दीजिए। 1 X 5 = 5

तेरे–मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा॥
बँटवारे ने भीतर–भीतर
ऐसी–ऐसी डाह जगाई।
जैसे सरसों के खेतों में
सत्यानाशी उग–उग आई ॥
तेरे–मेरे बीच कहीं है टूट–अनटूटा पतियारा।।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा॥
अपशब्दों की बंदनवारें
अपने घर हम कैसे जाएँ।
जैसे साँपों के जंगल में
पंछी कैसे नीड़ बनाएँ।
तेरे–मेरे बीच कहीं है भूला–अनभूला गलियारा।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा॥
बचपन की स्नेहिल तसवीरें
देखें तो आँखें दुखती हैं।
जैसे अधमुरझी कोंपल से
ढलती रात ओस झरती है।
तेरे–मेरे बीच कहीं है बूझा–अनबूझा उजियारा।
संबंधों के महासमर में तू भी हारा मैं भी हारा॥

प्रष्नः

(क) **कविता से किस बँटवारे की बात हो सकती है ?** 1

(i) दो भाइयों का बँटवारा (ii) दो देशों के बीच का बँटवारा
(iii) संपत्ति का बँटवारा (iv) दो शरणार्थियों के बीच का बँटवारा

(ख) ' तेरे–मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा ' का भाव है– 1

(i) परस्पर संबंधों में इतनी घृणा हो गई कि भाईचारा कहाँ रह गया।
(ii) जब परस्पर संबंधों में दरार आ जाती है तो भाईचारे का प्रश्न ही नहीं उठता।
(iii) परस्पर संबंधों के बीच घृणा के बीज बोए गए फिर भी भाईचारा बना रहा।
(iv) बँटवारे में घृणा के सिवाय और कुछ नहीं।

(ग) **सरसों के खेतों में ' सत्यानाशी ' किसे कहा गया है ?** 1

(i) काम बिगाड़ने वाले लोगों को (ii) दीमक को

(iii) लोगों को (iv) परस्पर ईर्ष्याभाव को

(घ) **अपशब्दों की बंदनवारें, कैसे प्रभावित करती हैं ?** 1

(i) मनुष्य को परेशान करती हैं।

(ii) अपनों से मिलने से रोकती हैं।

(iii) सजावट के काम आती हैं।

(iv) मेल-मिलाप की गुंजाइश नहीं रह जाती।

(ङ) बचपन की तसवीरें क्या आशा जगाती हैं? 1

(i) आँसुओं में मलिनता धुल जाएगी और उजाला होगा।

(ii) यौवन ठीक-ठाक गुजरेगा।

(iii) घर के बुजुर्ग शांति स्थापित कर पाएँगे।

(iv) बीता हुआ बचपन लौट आएगा।

प्रश्न 3 काव्य पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1= 5

(क) ' आत्मपरिचय' कविता के आधार पर निमन में से कौन–सा/से कथन सत्य हैं। 1

1 मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ।

2 मैं हमेषा जग का ध्यान किया करता हूँ।

3 षीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ।

4 मैं मस्ती का सन्देष लिए फिरता हूँ।

विकल्प :

(i) कथन 2 व 3 (ii) कथन 1 , 2 व 3

(iii) कथन 1 , 3 व 4 (iv) कथन 1 , 2 व 4

(ख) पतंग कविता में ' कपास' किसका प्रतीक है? 1

(i) सफेदी का (ii) षांति का

(iii) रोमांच का (iv) कोमलता का

(ग) 'बात सीधी थी पर ' कविता के आधार पर कथन (अ) और कारण (ब) को ध्यान से पढ़कर सही विकल्प छांटिए।

कथन (अ) : सीधी बात भाषा में बेकार घूमने लगी।

कारण (ब) : जोर–ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गयी थी।

(i) कथन (अ) सही है और कारण (ब) गलत है।

(ii) कथन (अ) सही है और कारण (ब) उसकी सही व्याख्या करता है।

(iii) कथन (अ) और कारण (ब) दोनों ही गलत हैं।

(iv) कथन (अ) सही है और कारण (ब) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है।

(घ) 'लक्ष्मण–मूर्च्छा और राम का विलाप' कविता के आधार पर भरत के बाहुबल एवं षील की प्रषंसा किसने की।

(i) हनुमान (ii) श्रीराम

(iii) लक्ष्मण (iv) सुग्रीव

(ङ) रक्षाबंधन की सुबह आसमान में गगन की कैसी घटा छायी है? 1

(i) काली–काली (ii) लाल–लाल

(iii) भीनी–भीनी (iv) हलकी–हलकी

प्रष्न 4 गद्य पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर दीजिए। 5 x 1= 5

(क) जमींदार ने भक्तिन को दंड देने के लिए – – – – – खड़ा रखा।

(i) छत पर (ii) बारिष में

(iii) धूप में (iv) छाँव में

(ख) लेखक की दृष्टि में जो लोग बाज़ारूपन बढ़ाते हैं, वे साथ ही साथ – – – – दोष को भी बढ़ाते हैं।

(i) कपट (ii) झूठ

(iii) महँगाई (iv) द्वेष

(ग) **'षिरीष के फूल '** पाठ के आधार पर निम्न में से कथन सही नहीं है। 1

(i) षकुंतला के कानों में षिरीष पुष्प के कुंडल थे।

(ii) षिरीष की डाल मजबूत होती है।

(iii) षकुंतला राजा दुष्यंत की प्रयेसी थी।

(iv) कालीदास एक विदग्द प्रेमी का हृदय पा चुके थे।

(घ) 'पहलवान की ढ़ोलक' नामक पाठ के आधार पर कॉलम अ को कॉलम ब से सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए। 1

कॉलम अ	कॉलम ब
1 धिना–धिना , धिक– धिना!	(i) उठा पटक दे! उठा पटक दे!!
2 चट्–धा, गिड–धा– – चट्–धा, गिड–धा	(ii) चित करो , चित करो।
3 चटाक्– चट्– धा, चटाक्– चट्– धा	(iii) आ जा , भिड़ जा

(i) 1– (i) , 2–(ii) , 3– (iii)

(ii) 1 –(ii) , 2–(iii) , 3– (i)

(iii) 1 –(iii) , 2–(i) , 3 –(ii)

(iv) 1 –(ii) , 2–(i) , 3– (iii)

(ङ) लेखक के अनुसार मनुष्य की क्षमता कितनी बातों पर निर्भर करती है? 1

(i) दो (ii) तीन

(iii) चार (iv) पाँच

प्रश्न 5 **अभिव्यक्ति एवं माध्यम** पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 X 1= 5

(क) मुद्रित माध्यमों की खूबियाँ के विषय में निम्न में से कौन–सा कथन असत्य है? 1

(i) इसे आप धीरे–धीरे आराम से पढ़ सकते हैं।
(ii) निरक्षरों के लिए उपयोगी।
(iii) सुविधानुसार उपयोग।
(iv) जन–जन तक पहुँच है।

(ख) समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में सामान्यतः कितने षब्दों में फ़ीचर छपते हैं? 1
(i) 200 से 1500 षब्दों के
(ii) 250 से 2000 षब्दों के
(iii) 350 से 2500 षब्दों के
(iv) 500 से 5000 षब्दों के

(ग) 56 किलोवाट में षब्द – – – – होते हैं। 1
(i) 50 हजार (ii) 55 हजार
(iii) 65 हजार (iv) 70 हजार

(घ) निम्न में से विज्ञान के क्षेत्र में काम कर रही भारत की संस्था नहीं है । 1
(i) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(ii) विक्रम सारा भाई अंतरिक्ष केन्द्र
(iii) षार केन्द्र
(iv) स्थायी अध्ययन केन्द्र

(ङ) निम्नलिखित में **कालम (अ)** को **कालम (ब)** के कथन के साथ सुमेलित करके उचित विकल्प चुनिए। 1

कालम (अ)		कालम (ब)	
1	अखबार की आवाज	(i)	संवाददाता
2	इंटरव्यू के लिए हिन्दी षब्द	(ii)	संपादकीय
3	अखबारों में समाचार लिखने वाला	(iii)	उलटा पिरामिड
4	समाचार लेखन की षैली	(iv)	साक्षात्कार

(i) 1– (i) , 2–(ii) , 3– (i) , 4– (ii)
(ii) 1– (ii) , 2–(iv) , 3– (i) , 4– (iii)
(iii) 1– (iii) , 2–(iv) , 3– (ii) , 4– (i)

(iv) 1– (iv) , 2–(i) , 3– (ii) , 4– (iii)

प्रष्न 6 व्याकरण पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रष्नों के उत्तर दीजिए। 1X5=5

(क) **'षुभेच्छा' षब्द – – – – – – सन्धि का उदाहरण है।** 1

(i) दीर्घ संधि (ii) अयादि संधि

(iii) गुण संधि (iv) यण संधि

(ख) **निम्नलिखित में कॉलम अ को कॉलम ब के षब्दों को उचित सन्धि से मिलान कीजिए।** 1

कॉलम अ		कॉलम ब	
1	पाप–पुण्य	(i)	कर्मधारय समास
2	आकंठ	(ii)	द्विगु समास
3	महारथी	(iii)	द्वंद्व समास
4	त्रिकुटी	(iv)	अव्ययीभाव समास

(i) 1– (iii) , 2–(iv) , 3 –(i) , 4– (ii)

(ii) 1 –(i) , 2–(ii) , 3 –(iii) , 4 –(iv)

(iii) 1– (iii) , 2–(i) , 3 –(iv) , 4– (ii)

(iv) 1 –(iv) , 2–(ii) , 3 –(i) , 4 –(iii)

(ग) **निम्न में से 'संबंध तत्पुरुष समास '** के सही उदाहरण है। 1

(i) सौरमंडल , मनोहर , देषाटन

(ii) गंगाजल, मनगढ़ंत , राजदूत

(iii) सूर्योदय, भाग्यहीन, रक्तदान

(iv) राजमाता , सेनापति , कन्यादान

(घ) **'दूसरे दिन षत्रु ने हथियार रख दिए'।** इस वाक्य में क्या दोष है ? 1

(i) षब्द–क्रम संबंधी

(ii) मुहावरे संबंधी

(iii) पुनरुक्ति संबंधी

(iv) परसर्ग संबंधी

(ङ) **निम्नलिखित में से अषुद्ध वाक्य छाँटिए ।** 1

(i) तुम लोग परसपर समझ लेना।

(ii) लुटेरों का समूह भाग गया।

(iii) प्रातःकाल घूमना चाहिए।

(iv) उसने अनेक ग्रंथ लिखे।

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रष्न

प्रष्न 7 निम्नलिखित पद्यांष की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । 5

अट्टालिका नहीं है रे
आतंक– भवन
सदा पंक पर ही होता
जल– विप्लव–प्लावन,
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर,
रोग–षोक में भी हँसता है
षैषव का सुकुमार षरीर।

अथवा

किसबी, किसान–कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर , चार , चेटकी।

पेटको पढ़त , गुन गढ़त, चढ़त गिरी,
अटत गहन–गन अहन अखेटकी।।
उँचे–नीचे करम, धरम– अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा–बेटकी।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी।।

निम्नलिखित पद्यांष के प्रष्नों का उचित उत्तर दीजिए।

प्रष्न :

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1

(ii) पेट भरने के लिए कौन लोग मारे–मारे भटक रहे हैं ? 1

(iii) काव्यांष में आए ' **चेटकी** ' षब्द का क्या अर्थ है? 1

(iv) लोग अपने ही बेटा या बेटी को बेचने के लिए क्यों मजबूर हैं ? 1

(v) कवि के अनुसार पेट की आग को कौन बुझा सकता है ? 1

प्रष्न 8 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) 'दिन जल्दी–जल्दी ढ़लता है' कविता का उद्देष्य स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है– स्पष्ट कीजिए। 2

प्रष्न 9 निम्नलिखित गद्यांष की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । 5

ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न तो दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुषलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति–प्रथा हानिकारक प्रथा है।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांष के प्रष्नों का उचित उत्तर दीजिए।

वह यह है कि बाजार जाओ तो मन खाली न हो । मन खाली हो , तब बाज़ार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला–का–फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ न कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे।

प्रष्न :

(i) लेखक और पाठ का नाम लिखिए। 1

(ii) लू में जाते समय पानी पीने का क्या कारण है? 1

(iii) हम बाज़ार को सच्चा लाभ कैसे दे सकते हैं ? 1

(iv) बाज़ार के जादू की जकड़ से कैसे बच सकते हैं? 1

(v) बाज़ार की सार्थकता किसमें है? 1

प्रष्न 10 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण का मूलभाव स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) भक्तिन के जीवन की चारित्रिक विषेषताएँ लिखिए। 2

प्रष्न 11 निम्न प्रष्नों में से किसी एक का उत्तर लगभग 250 षब्दों में दीजिए। 5

' एक देष, एक चुनाव ' अप्रत्याषित विषय पर एक रचनात्मक लेख लिखिए। 5

अथवा

रेडियो नाटक के तत्त्वों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

प्रष्न 12 निम्नलिखित दो प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) रेडियो के लिए नाटक किस प्रकार लिखा जाता है ? 3

(ख) विषेष लेखन से आप क्या समझते हैं? 2

प्रष्न 13 'वितान भाग–2' पर आधारित निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 3 + 2 + 2 = 7

(क) 'जुझ' पाठ में बचपन में लेखक के मन में पढ़ने के प्रति क्या विचार थे? 3

(ख) मुअनजो–दड़ो के अजायबघर में हथियारों के न मिलने से क्या संकेत मिलता है? 2

(ग) यषोधर बाबू अपने ही घर में बेचारे व असहाय कैसे बन गए? 2

प्रष्न 14 **'व्याकरण'** पर आधारित निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 3+2 = 5

(क) (i) अनुप्रास अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

(ii) **'ऐ जीवन के पारावार '** में अलंकार का नाम लिखिए । 1

(ख) दीर्घ **स्वर संधि** को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए । 2

प्रष्न 15 **'आदर्ष जीवन मूल्य (उत्तरा)'** पर आधारित निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दर्षाए गए अंकानुसार उपयुक्त षब्दों मे दीजिए। 2 X 4 = 8

(क) असफलता मिलने पर भी जीवन में कैसे आगे बढ़ सकते हैं?

(ख) हमें मन में क्या नहीं रखना चाहिए और क्यों ?

(ग) मन की स्थिरता व मजबूती के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

(घ) दुर्गा भाभी के मन पर किन घटनाओं का गहरा आघात लगा ?